द्वितीय वर्ष बी.ए. (२००२) (मुख्य और गौण)

प्रश्नपत्र ३ (पद्य) :

१. आज के लोकप्रिय कवि-भवानीप्रसाद मिश्र, सं. डॉ. विजयबहादुर सिंह, राजपाल एन्ड सन्स, दिल्ली ।

संदर्भ के लिए : नई इबारत, सुबह हो गई, सम्राटा, सतपुड़ा के जंगल, गीत फरोश, इसे जगाओ, निरापद कोई नहीं है, शब्द ग्रस्त, मनोरथ, मौत की आँखे, तोड़ो चमत्कारों में पड़ी गाँठें, बुनी हुई रस्सी, आराम से भाई जिन्दगी, व्यक्तिगत, एक माँ, महारथी, चार कोए उर्फ चार हौए, काल-पुरुष, पुकार पर, क्रांति की आवाज, गज़ल, गांधी पंचशती, क्या हर्ज है, परिवर्तन जिए, झुर्रियों से भरता हुआ, कहते हैं कविताएँ ।

२. रश्मिरथी - रामधारी सिंह "दिनकर" (संदर्भ के लिए प्रथम पाँच सर्ग) ।

संदर्भ-ग्रंथ

१. दिनकर : सं. सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

२. दिनकर के काव्य : लालधर त्रिपाठी, आनंद पुस्तक भवन, वाराणसी ।

३. नयी कविता : डॉ. कान्तिकुमार, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी ।

४. हिन्दी कविता : तीन दशक - डॉ. रामदरश मिश्र ।

५. नया काव्य : नये मूल्य - ललित शुक्ल, मैकमिलन, दिल्ली ।

६. संवाद : डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली ।

७. समकालीन कविता के बारे में - डॉ. नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

प्रश्नपत्र ४ (गद्य) :

१. तिरछी रेखाएँ : हरिशंकर परसाई, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

२. रतिनाथ की चाची : नागार्जुन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ

१. आँखन देखी – परसाई व्यक्तित्व और कृतित्व : सं. कमलाप्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

२. हरिशंकर परसाई के व्यंग की वैचारिक पृष्ठभूमि, राधामोहन शर्मा, राधाकृष्ण, दिल्ली ।

३. नागार्जुन का रचना संसार : डॉ. विजय बहादुर सिंह, संभावना प्रकाशन, हापुड ।

४. नागार्जुन के उपन्यासों में चित्रित सामाजिक और राजनैतिक संघर्ष : डॉ. रामवीर सिंह, धरती प्रकाशन, बीकानेर ।

प्रश्नपत्र ५ :

हिन्दी साहित्य का इतिहास - (आदिकाल से - १९४७ तक)

१. वीरगाथा काल, भक्ति काल, रीति काल एवं आधुनिक काल की साहित्य-प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय ।

२. टिप्पणी के प्रश्नों के लिए निम्नलिखित रचनाकारों का परिचय अपेक्षित है ।

(अ) वीरगाथा काल - चंद बरदाई, अमीर खुसरो ।

(ब) भक्तिकाल - कबीर, सूर, तुलसी, जायसी, रहीम ।

(क) रीतिकाल - देव, मतिराम, घनानंद, भूषण अखा, ब्रह्मानंद, दयाराम ।

(ड) आधुनिक काल - भारतेन्दु, प्रेमचंद, सुमित्रानंदन पन्त, निराला ।

संदर्भ ग्रंथ

१. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास - गुलाबराय ।

२. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

३. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र ।

४. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - नंद दुलारे वाजपेयी ।

५. गुजरात के हिन्दी गौरव ग्रंथ - डॉ. अंबाशंकर नागर ।

६. गुजरात के हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमणलाल पाठक, पार्श्व प्रकाशन अहमदाबाद ।

प्रश्नपत्र ७ : (हिन्दी द्वितीय गौण) :

१. गबन - प्रेमचंद ... ५० अंक

२. निबंध लेखन ... १५ अंक

३. मुहावरे - कहावतें (पाठ्यपुस्तक में से) ... ५ अंक

(सूचना : सातवें प्रश्नपत्र की पाठ्यपुस्तक में से केवल परिचयात्मक एवं संदर्भ के प्रश्न ही पूछे जायेंगे।)